



■ साल्ट लेक
पहुंचे राज्यापाल
सीरी आनंद
बोस, न्यायिक
जंच की
मांग - 12



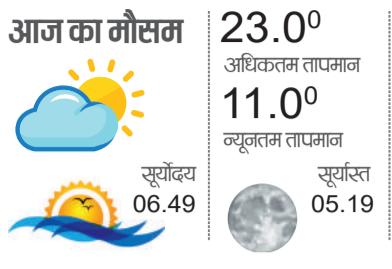
■ संसदीय समिति ने
कहा-क्यै तेल
के स्रोतों
में विविधता
लाना जरूरी
- 12



■ बांग्लादेश में
फिर असांति
निर्वाचन आयोग
ने नांगी अतिरिक्त
सुरक्षा
- 13



■ अर्जेंटीना को
हाहाकर नीटरलैंड्स
ने जीता हॉकी
महिला जूनियर
विश्व कप द्वितीय
- 14



पौष कृष्ण पक्ष एकादशी, 09:20 उपरांत द्वादशी विक्रम संवत् 2082

अनुत्तर विचार

| लखनऊ |

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार



2 राज्य | 6 संस्करण

■ लखनऊ ■ बैंगलोर ■ कानपुर
■ गुरुदाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

सोमवार, 15 दिसंबर 2025, वर्ष 35, अंक 316, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 लप्पये

ब्रीफ न्यूज़

पूर्व विधायक ने फ्लाइट
में अमेरिकी महिला
यात्री की बचाई जान

बैंगलुरु का कानूनिक की पूर्व विधायक डॉ. अंजलि निवालकर ने विमान में एक अमेरिकी यात्री के अचानक बेवश हो जाने पर उसे कानूनियांप्राया (सीपीआर) देखर उसकी जान बचाई है। विमान में अमेरिकी महिला यात्री की अतिरिक्त बैवाहिक खाता होने लगी जिससे वह बेवश हो गई और उसकी नानी भी बेवश हो गई। डॉ. निवालकर ने तुरंत सीपीआर दिया और पूरे समय मरीज के पास रहकर उसकी हर जरूरत की बायान रखा। विमान के दिल्ली में उत्तरन पर महिला के एम्बुलेंस से अप्याताल ले जाया गया। पूर्व विधायक अभी गोला, दान और दीव, और दादा नगर हवेली की कांग्रेस संघिय एवं सह-प्रभारी है। वह कांग्रेस की ओट चोरी रही थी।

ईडी ने कोडीन युक्त सिरप मामले में कई जगहों पर तलाशी ली

नई दिल्ली। ईडी ने कोडीन युक्त कफ इसके दुरुपयोग के सिलसिले में कई जगहों पर तलाशी अधिनियम बताया है। ईडी के लखनऊ बैंगलोर कार्यालय ने रविवार को कहा कि उसने लखनऊ, वाराणसी, जौनपुर, सहारनपुर, रायपुर और अहमदाबाद में आरोपी और उसके साथीयों के घोषणे और कार्यालयों समेत 25 जगहों पर तलाशी ली है। ईडी ने उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा एप्डीपीएस एवं, बीएनएस और दूसरे लागू कानूनों की सुविधित धाराओं के तहत दर्ज 30 प्राथमिकियों के आधार पर जांच शुरू की।

दूसरे एमएच-60आर
हेलीकॉप्टर स्वचालन को

शामिल करेगी नौसेना

नई दिल्ली। भारतीय नौसेना 17 दिसंबर को अपने दूसरे एमएच-60आर-हेलीकॉप्टर स्वचालन - आईएनएस 335 (ओप्टो) को सेवा में शामिल करेगी, जिससे उसकी विमान क्षमताओं को मजबूती मिलेगी। उन्नत हथियार और सेसर इस हेलीकॉप्टर को नौसेना के लिए एक बुरुपयोगी को हाता हैं - नौसेना ने कहा कि गोला तांडी जानकारी के आधार पर जांच शुरू की।

पूर्व विचार के आधार पर जांच करने के बाद वायु प्रदूषण में दूसरे एमएच-60आर हेलीकॉप्टर स्वचालन - आईएनएस 335 (ओप्टो) - को नौसेना

प्रमुख उपलब्ध दिनें के प्रियांका की उपरित्ति से औपचारिक रूप से सेवा में शामिल किया जाएगा।

गंभीर स्थिति बरकरार रहने के लिए

सीएक्यूएम ने जिम्मेदारों की सिंचाई की

नई दिल्ली, एजेंसी

गांधीजी राजधानी में एक्यूआई 460 पार से

हाहाकार, डीडीए को फटकार

दिल्ली में सड़क पर छाई धूंध।

दिल्ली-एनसीआर में बाहरी
खेलों के आयोजन पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

गांधीजी राजधानी वायु प्रदूषण की रोकथाम को सख्त पार्वदियां लागू होने के बावजूद रविवार सुबह आठ बजे जहां के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लालभग 460 दर्ज किया गया। वह वायु प्रदूषण को बेहद खतरनाक आयोग (सीएक्यूएम) ने शनिवार को हावा को और प्रदूषित होने से रोकने के लिए गैरि (श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना) -4 लागू कर दी थी।

आयोग ने शनिवार को पहले गैरि-3 लागू किया था, लेकिन कुछ ही घंटों बाद वायु प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर दिल्ली शहर और गांधीजी राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में गैरि-4 लगा दिया। वाहनों और धूल प्रदूषण (जिसका ज्यादातर हिस्सा निर्माण कार्य के कारण होता है) को दिल्ली में युग्मता की बिगड़ती स्थिति के लिए मूल्यांकित करता है। आयोग ने दिल्ली, रायपुर, जौनपुर और उत्तर प्रदेश के 35 सूचीबद्ध क्षेत्रों को गैरि-4 लगाया है। वह वायु प्रदूषण को बेहद खतरनाक संकेत देता है। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) की उपरित्ति से एक्यूएम ने दिल्ली के लिए गैरि-4 की घोषणा की।

गांधीजी राजधानी वायु प्रदूषण की रोकथाम को सख्त पार्वदियां लागू होने के बावजूद रविवार सुबह आठ बजे जहां के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लालभग 460 दर्ज किया गया।

गांधीजी राजधानी के बावजूद खतरनाक आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में गैरि-3 की घोषणा को हावा को और प्रदूषित होने से रोकने के लिए गैरि (श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना) -4 लागू कर दी थी।

गंभीर स्थिति बरकरार रहने के लिए

सीएक्यूएम ने जिम्मेदारों की सिंचाई की

नई दिल्ली, एजेंसी

गांधीजी राजधानी में एक्यूआई 460 पार से

हाहाकार, डीडीए को फटकार

दिल्ली में सड़क पर छाई धूंध।

दिल्ली-एनसीआर में बाहरी
खेलों के आयोजन पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

गांधीजी राजधानी वायु प्रदूषण की रोकथाम को सख्त पार्वदियां लागू होने के बावजूद रविवार सुबह आठ बजे जहां के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लालभग 460 दर्ज किया गया।

गांधीजी राजधानी के बावजूद खतरनाक आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में गैरि-3 की घोषणा को हावा को और प्रदूषित होने से रोकने के लिए गैरि (श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना) -4 लागू कर दी थी।

गंभीर स्थिति बरकरार रहने के लिए

सीएक्यूएम ने जिम्मेदारों की सिंचाई की

नई दिल्ली, एजेंसी

गांधीजी राजधानी में एक्यूआई 460 पार से

हाहाकार, डीडीए को फटकार

दिल्ली में सड़क पर छाई धूंध।

दिल्ली-एनसीआर में बाहरी
खेलों के आयोजन पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

गांधीजी राजधानी वायु प्रदूषण की रोकथाम को सख्त पार्वदियां लागू होने के बावजूद रविवार सुबह आठ बजे जहां के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लालभग 460 दर्ज किया गया।

गांधीजी राजधानी के बावजूद खतरनाक आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में गैरि-3 की घोषणा को हावा को और प्रदूषित होने से रोकने के लिए गैरि (श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना) -4 लागू कर दी थी।

गंभीर स्थिति बरकरार रहने के लिए

सीएक्यूएम ने जिम्मेदारों की सिंचाई की

नई दिल्ली, एजेंसी

गांधीजी राजधानी में एक्यूआई 460 पार से

हाहाकार, डीडीए को फटकार

दिल्ली में सड़क पर छाई धूंध।

दिल्ली-एनसीआर में बाहरी
खेलों के आयोजन पर रोक

नई दिल्ली, एजेंसी

गांधीजी राजधानी वायु प्रदूषण की रोकथाम को सख्त पार्वदियां लागू होने के बावजूद रविवार सुबह आठ बजे जहां के वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) लालभग 460 दर्ज किया गया।

गांधीजी राजधानी के बावजूद खतरनाक आयोग (सीएक्यूएम) ने दिल्ली-एनसीआर में गैरि-3 की घोषणा को हावा को और प्रदूषित होने से रोकने के लिए गैरि (श्रेणीबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना) -4 लागू कर दी थी।

गंभीर स्थिति बरकरार रहने के लिए

सीएक्यूएम ने जिम्मेदारों की सिंचाई की

नई दिल्ली,

न्यूज ब्रीफ

18 विवादित जोड़ों की हुई सफल घर वापसी

उन्नाव। एसपी जय प्रकाश सिंह

के मार्गदर्शन में महिला हेल्पर्डर्स

और परिवार परामर्श केंद्र ने थानों में

कार्यक्रम के माध्यम से पति-पत्नी

के बीच के विवादों को सुलझाया गया,

जिसके पास 18 विवादित जोड़ों को

जिसे किंवदं विवाद के साथ रखने के

वादे के साथ दिया गया। जिसे

के सभी थानों में महिला हेल्पर्डर्स

में वैवाहिक विवादों से जूझ रहे जोड़ों को

सुलझाया गया। परिवार परामर्श समिति

और महिला हेल्पर्डर्स की टीमों ने

कार्डसिलिंग सत्र आयोजित किए। जोड़ों

के बीच उपर्युक्त मामूलियत और विवाद को

समाप्त किया गया। जिससे उनके बीच

आपसी सामंजस्य बहाल हुआ। सबसे

अधिक सत्र जोड़े महिला थाना से दिया

किया गया। इसके अतिरिक्त, वारामर्क,

पुरुष, और सदर से दो-दो जोड़े, जबकि

अचलजंग, आसीनवी, विहार, गोमतीगंगा,

और गंगाधर से एक-एक जोड़े को

खुशी-खुशी उनके घर भेजा गया। इन

सभी जोड़ों ने खूबियाँ में दिया

विवाह के चलते हुए हादसे के बाद यातायात रहा बाधित, यूपीडा व पुलिस कर्मियों ने घायलों को अस्पताल भेज कर राहीं वाहनों को हटाया।

राजस्थान प्रांत से टाइल्स

लाद कर लखनऊ जा रहा लोडर

रविवार भोरपहर छाए घने कोहरे

के चलते बेहता मुजावर थाना

से उत्तर से बाहर रहा।

जिससे उनके बीच उपर्युक्त मामूलियत और विवाद को

समाप्त किया गया। जिससे उनके बीच

आपसी सामंजस्य बहाल हुआ। सबसे

अंतर्गत लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस

रेलवे का अपने

विवाह के चलते हुए हादसे के बाद यातायात रहा बाधित, यूपीडा व पुलिस कर्मियों ने घायलों को अस्पताल भेज कर राहीं वाहनों को हटाया।

अज्ञात वाहन की

टक्कर से श्रमिक

की गई जान

उन्नाव। अचलजंग थानाक्षेत्र के

अमरसस निवासी किशोरी लाल

गोतम (50) पुत्र स्व. राम प्रसाद

करीब 5 साल से

दही औद्योगिक

क्षेत्र दही चौकी

में श्रमिक था।

निवार दरेसर का

वह इयरी से घर

लौट रहा था।

किशोरी लाल (फाइल फोटो)

क

न्यूज ब्रीफ

सङ्केत किनारे मिला

युवक का शब्द

नेरी, सीतापुर, अमृत विचार : महोली कोतवाली क्षेत्र के राष्ट्रीय राजमार्ग युवक का क्षति-विक्षण अवस्था में मिला। घटना का कारण हांदसा बताया जा रहा है। महोली कोतवाली क्षेत्र का पुर्खाया गांव के नजदीक युवक हांदस का शिकायत हो गया। स्वचना पाकां और पुलिस मौके पर पहुंची और शब को कलंग में लिया। नेरी वारी की प्रभारी विनोद रिंग ने बताया कि मृतक की उम्र करीब 45 वर्ष प्रतीत हो रही है। उसने काली पेट, जामुनी शर्ट, बैंगनी रंग का खेतर, काला ऊनी जैकेट और काले सफेद रंग का मफलर पहन रखा था। शब को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

अलाव जलवाये जाने की लोगों ने की मांग

नैमित्यराय, सीतापुर, अमृत विचार : तीथ नारी नैमित्यराय में पर्याप्त मात्रा में अलाव जलाने की मांग की गई है। प्रतिवान बाहर दौड़ने, राहुल, सुमिरप, दशरथ आदि का कहना है कि काली पीढ़ी यूक के पास अब तक अलाव की व्यवस्था नहीं है। इसको लेकर सूतना दी जा रही है। तब जबकि इस रथन पर बड़ी संख्या में हर घंटे श्रद्धालुओं का जुरना होता है।

योरी के माल के साथ

ऑटोलिफ्टर गिरफ्तार

सीतापुर, अमृत विचार : योरी और छिनौती की घटनाओं में शामिल ऑटोलिफ्टर दीप्रीष्मी मौके का पास पुलिस ने खण्डित्यामुक्त मौके पर आपको बोसले ने बताया कि शातार के कब्जे से एक योरी की मोटरसाइकिल, परावून का सामान, 900 रुपये नकद, एक मोबाइल और घटना में प्रयुक्त लोहे की सरिया बरामद हुई। पूछताछ में आरोपी ने 11 दिसंबर को परावून दुकान से योरी, राहीरी से मोबाइल छीनने और एक बाइक योरी करने का शिकायत की आरोपी को खिलाफ सर्वधित शराओं में मुकदमा दर्ज कर जल भेजा गया।

बाइक योरी मामले में एक माह बाद केस दर्ज

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : लालपुर बाजार में सज्जी खरीदने आए एक ग्रामीण की बाइक माह बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। सकरन के शीतलपुरा मजरा करम्हील निवासी रामकुमार ने जिलाधिकारी को दिए प्रार्थना पर में बताया कि वह 9 नवंबर को लालपुर बाजार में सज्जी खरीदने आया था। इस दौरान नजराने की सूचना उसी दिन खड़ी हो गयी। न तो कोई देन गुजरने वाली थी और न ही कोई सूचना दी गई। जाम में जूनान नजराने की बाइक की आरोपी से खिलाफ सर्वधित शराओं में मुकदमा दर्ज कर जल भेजा गया।

बाइक योरी मामले में

कार्यक्रमों को दिया गया प्रशिक्षण

सांडा, सीतापुर, अमृत विचार

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर अंगारावाड़ी कार्यक्रमों को आपको बाइक पर माह बाद पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज की। सकरन के शीतलपुरा मजरा करम्हील निवासी रामकुमार ने जिलाधिकारी को दिए

प्रार्थना पर में बताया कि वह 9 नवंबर

को लालपुर बाजार में सज्जी खरीदने

आए थे। इस दौरान नजराने की सूचना

उसी दिन लालपुर योरी की बाइक

की आरोपी को खिलाफ सर्वधित शराओं में

मुकदमा दर्ज कर जल भेजा गया।

बाइक योरी मामले में

एक माह बाद केस दर्ज

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार

लालपुर बाजार में सज्जी खरीदने आए एक ग्रामीण की बाइक पर माह बाद पुलिस

ने प्राथमिकी दर्ज की। सकरन के

शीतलपुरा मजरा करम्हील निवासी

रामकुमार ने जिलाधिकारी को दिए

प्रार्थना पर में बताया कि वह 9 नवंबर

को लालपुर बाजार में सज्जी खरीदने

आए थे। इस दौरान नजराने की सूचना

उसी दिन लालपुर योरी की बाइक

की आरोपी को खिलाफ सर्वधित शराओं में

मुकदमा दर्ज कर जल भेजा गया।

बाइक योरी मामले में

एक माह बाद केस दर्ज

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को

लेकर अंगारावाड़ी कार्यक्रमों को

आपको बाइक पर माह बाद पुलिस

ने प्राथमिकी दर्ज की। सकरन के

शीतलपुरा मजरा करम्हील निवासी

रामकुमार ने जिलाधिकारी को दिए

प्रार्थना पर में बताया कि वह 9 नवंबर

को लालपुर बाजार में सज्जी खरीदने

आए थे। इस दौरान नजराने की सूचना

उसी दिन लालपुर योरी की बाइक

की आरोपी को खिलाफ सर्वधित शराओं में

मुकदमा दर्ज कर जल भेजा गया।

बाइक योरी मामले में

एक माह बाद केस दर्ज

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को

लेकर अंगारावाड़ी कार्यक्रमों को

आपको बाइक पर माह बाद पुलिस

ने प्राथमिकी दर्ज की। सकरन के

शीतलपुरा मजरा करम्हील निवासी

रामकुमार ने जिलाधिकारी को दिए

प्रार्थना पर में बताया कि वह 9 नवंबर

को लालपुर बाजार में सज्जी खरीदने

आए थे। इस दौरान नजराने की सूचना

उसी दिन लालपुर योरी की बाइक

की आरोपी को खिलाफ सर्वधित शराओं में

मुकदमा दर्ज कर जल भेजा गया।

बाइक योरी मामले में

एक माह बाद केस दर्ज

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को

लेकर अंगारावाड़ी कार्यक्रमों को

आपको बाइक पर माह बाद पुलिस

ने प्राथमिकी दर्ज की। सकरन के

शीतलपुरा मजरा करम्हील निवासी

रामकुमार ने जिलाधिकारी को दिए

प्रार्थना पर में बताया कि वह 9 नवंबर

को लालपुर बाजार में सज्जी खरीदने

आए थे। इस दौरान नजराने की सूचना

उसी दिन लालपुर योरी की बाइक

की आरोपी को खिलाफ सर्वधित शराओं में

मुकदमा दर्ज कर जल भेजा गया।

बाइक योरी मामले में

एक माह बाद केस दर्ज

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को

लेकर अंगारावाड़ी कार्यक्रमों को

आपको बाइक पर माह बाद पुलिस

ने प्राथमिकी दर्ज की। सकरन के

शीतलपुरा मजरा करम्हील निवासी

रामकुमार ने जिलाधिकारी को दिए

प्रार्थना पर में बताया कि वह 9 नवंबर

को लालपुर बाजार में सज्जी खरीदने

आए थे। इस दौरान नजराने की सूचना

उसी दिन लालपुर योरी की बाइक

की आरोपी को खिलाफ सर्वधित शराओं में

मुकदमा दर्ज कर जल भेजा गया।

बाइक योरी मामले में

एक माह बाद केस दर्ज

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं को

लेकर अंगारावाड़ी कार्यक्रमों को

आपको बाइक पर माह बाद पुलिस

ने प्राथमिकी दर्ज की। सकरन के

शीतलपुरा मजरा करम्हील निवासी

रामकुमार ने जिलाधिकारी को दिए

प्रार्थना पर में बताया कि वह 9 नवंबर

को लालपुर बाजार में सज्जी खरीदने

आए थे। इस दौरान नजराने की सूचना

उसी दिन लालपुर योरी की बाइक

की आरोपी को खिलाफ सर्वधित शराओं में

मुकदमा दर्ज कर जल

न्यूज ब्रीफ

श्रीकृष्ण बाल लीलाओं की कथा सुनकर मंत्रमुग्ध हुए श्रोता

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के देवता शित श्रीमान-जानयन के पांचवे दिन कथा वाचिका पूर्णिमा मिश्रा ने पून्ना वध, वकासूर वध तथा भगवान श्रीकृष्ण की बाललीलाओं का वर्णन किया। कंस से करागर मान जाकर जैसे ही देवतों की आठवें लाल को जीमीन पर पटकना चाहा क्रांति के हाथों से छुट्ट गई और अकाश में बिजली चमकने लगा, तभी आकाश मार्ग से गर्जना हुई कि कंस तेरा काल पैदा हो चुका है। जिसके बाद कंस ने श्री कृष्ण को मारने के लिए पून्ना, वकासूर जैसे राक्षसों को भेजा किंवदं भगवान श्री कृष्ण ने सभी का वध कर दिया। कथा वाचिका ने कहा कि श्रीकृष्ण का जीवन प्रेम, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देता है। समाजसेवी राज भैया उमेर राज दीक्षित ने 21 फिलो लड़ाकों के साथ आर्थिक सहयोग प्रदान किया। इसमें केपर राक्षसी विदेही, अमित मिश्रा, नीरज अवस्थी, विकास बाजपेहड़, अंगद राही, राजनरायन वौरसिया, यजमान बालीकि आदि लाग मौजूद रहे।

घर से 19 बोरा धान उठा ले गये चोर

ऊंचाहार, रायबरेली। ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र के गांव पूरे चंद्र मजरे पूर्वी रस्से कैथवल निवासी समर्जीत मोर्य का गांव में एक अन्य मकान है। जिसमें उन्होंने अनाज रखा था। शनिवार की रात इस घर में घोर धूस गए और घर में रखा 19 बोरा धान उठा ले गये। रविवार को जानकारी होने पर पीड़ित ने इसकी शिकायत पुलिस से की। कोतवाल अजय कुमार राय का कहना है कि घटना की जांच की जा रही है, चोरों का पता लगाया जा रहा है।

अनूप बने अखिल भारतीय हिंदू महासभा में प्रदेश उपाध्यक्ष

संचादाता, रायबरेली

अमृत विचार। अखिल भारतीय हिंदू महासभा उत्तर प्रदेश इकाई में संगठनात्मक विस्तार के क्रम में शनिवार को एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष एवं प्रस्त्राण समाजसेवी शैलेंद्र अग्निहोत्री ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में कदम उठाए हुए अपने अप्राप्ति को प्रदेश उपाध्यक्ष, मुख्य मोर्चा (उत्तर प्रदेश) के पद पर मनोनीत किया। प्रदेश के संगठन को गौरक्षा, राष्ट्र धर्म, सामाजिक अध्यक्ष शैलेंद्र अग्निहोत्री ने कहा कि अनूप अप्राप्ति को नियुक्त किया जाए।

सबसे दिव्य रहस्यमयी प्रतीक माने स्पर्धा में खिलाड़ियों ने किया शानदार खेल का प्रदर्शन जाते हैं ज्योतिर्लिंग : सत्यांशु महराज

ऊंचाहार, रायबरेली

अमृत विचार। क्षेत्र के गांव कोलहौर मजरे पूर्वी रहस्य कैथवल कथा के दूसरे दिन कथा वाचक सत्यांशु महराज ने ज्योतिर्लिंग सबसे दिव्य और रहस्यमयी प्रतीक माने जाते हैं। ज्योति का अर्थ है प्रकाश और रिंग का अर्थ है चिह्न। अर्थात्,



लालगंज, रायबरेली

नेत्र शिविर में 85 रोगियों ने कराया उपचार

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के आरपीटी शिवम एवं किरण ने कुल 85 नेत्र रोगियों का पब्लिक स्कूल ओसाह में प्रबन्धक संजय परीक्षण कर 15 नेत्रों को मोतियांबिंद ऑपरेशन मोहन त्रिवेदी के नेतृत्व में आयोवर्त आई के लिए चिन्हित किया गया।

हार्डिंगल एंड रिसर्च सेंटर की ओर से वर्हनी जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क आई

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन ढांप एवं आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

इस अवसर पर मर्मोज विपाठी, मनीष दीक्षित, उमा शर्मा, आयुष्मान मित्र सुमित अदि लोग

विशेषज्ञ टीम मौजूद रही। जिसमें नेत्र विशेषज्ञ ने किया गया।

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के आरपीटी शिवम एवं किरण ने कुल 85 नेत्र रोगियों का

पब्लिक स्कूल ओसाह में प्रबन्धक संजय परीक्षण कर 15 नेत्रों को मोतियांबिंद ऑपरेशन

मोहन त्रिवेदी के नेतृत्व में आयोवर्त आई के लिए चिन्हित किया गया।

हार्डिंगल एंड रिसर्च सेंटर की ओर से वर्हनी जरूरतमंद मरीजों को निःशुल्क आई

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन ढांप एवं आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

इस अवसर पर मर्मोज विपाठी, मनीष दीक्षित, उमा शर्मा, आयुष्मान मित्र सुमित अदि लोग

विशेषज्ञ टीम मौजूद रही। जिसमें नेत्र विशेषज्ञ ने किया गया।

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के आरपीटी शिवम एवं किरण ने कुल 85 नेत्र रोगियों का

पब्लिक स्कूल ओसाह में प्रबन्धक संजय परीक्षण कर 15 नेत्रों को मोतियांबिंद ऑपरेशन

मोहन त्रिवेदी के नेतृत्व में आयोवर्त आई

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन ढांप एवं आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

इस अवसर पर मर्मोज विपाठी, मनीष दीक्षित, उमा शर्मा, आयुष्मान मित्र सुमित अदि लोग

विशेषज्ञ टीम मौजूद रही। जिसमें नेत्र विशेषज्ञ ने किया गया।

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के आरपीटी शिवम एवं किरण ने कुल 85 नेत्र रोगियों का

पब्लिक स्कूल ओसाह में प्रबन्धक संजय परीक्षण कर 15 नेत्रों को मोतियांबिंद ऑपरेशन

मोहन त्रिवेदी के नेतृत्व में आयोवर्त आई

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन ढांप एवं आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

इस अवसर पर मर्मोज विपाठी, मनीष दीक्षित, उमा शर्मा, आयुष्मान मित्र सुमित अदि लोग

विशेषज्ञ टीम मौजूद रही। जिसमें नेत्र विशेषज्ञ ने किया गया।

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के आरपीटी शिवम एवं किरण ने कुल 85 नेत्र रोगियों का

पब्लिक स्कूल ओसाह में प्रबन्धक संजय परीक्षण कर 15 नेत्रों को मोतियांबिंद ऑपरेशन

मोहन त्रिवेदी के नेतृत्व में आयोवर्त आई

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन ढांप एवं आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

इस अवसर पर मर्मोज विपाठी, मनीष दीक्षित, उमा शर्मा, आयुष्मान मित्र सुमित अदि लोग

विशेषज्ञ टीम मौजूद रही। जिसमें नेत्र विशेषज्ञ ने किया गया।

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के आरपीटी शिवम एवं किरण ने कुल 85 नेत्र रोगियों का

पब्लिक स्कूल ओसाह में प्रबन्धक संजय परीक्षण कर 15 नेत्रों को मोतियांबिंद ऑपरेशन

मोहन त्रिवेदी के नेतृत्व में आयोवर्त आई

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन ढांप एवं आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

इस अवसर पर मर्मोज विपाठी, मनीष दीक्षित, उमा शर्मा, आयुष्मान मित्र सुमित अदि लोग

विशेषज्ञ टीम मौजूद रही। जिसमें नेत्र विशेषज्ञ ने किया गया।

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के आरपीटी शिवम एवं किरण ने कुल 85 नेत्र रोगियों का

पब्लिक स्कूल ओसाह में प्रबन्धक संजय परीक्षण कर 15 नेत्रों को मोतियांबिंद ऑपरेशन

मोहन त्रिवेदी के नेतृत्व में आयोवर्त आई

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन ढांप एवं आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

इस अवसर पर मर्मोज विपाठी, मनीष दीक्षित, उमा शर्मा, आयुष्मान मित्र सुमित अदि लोग

विशेषज्ञ टीम मौजूद रही। जिसमें नेत्र विशेषज्ञ ने किया गया।

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के आरपीटी शिवम एवं किरण ने कुल 85 नेत्र रोगियों का

पब्लिक स्कूल ओसाह में प्रबन्धक संजय परीक्षण कर 15 नेत्रों को मोतियांबिंद ऑपरेशन

मोहन त्रिवेदी के नेतृत्व में आयोवर्त आई

निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन ढांप एवं आवश्यक परामर्श भी दिया गया।

इस अवसर पर मर्मोज विपाठी, मनीष दीक्षित, उमा शर्मा, आयुष्मान मित्र सुमित अदि लोग

विशेषज्ञ टीम मौजूद रही। जिसमें नेत्र विशेषज्ञ ने किया गया।

शिवगढ़, रायबरेली। क्षेत्र के आरपीटी शिवम एवं किरण ने कुल 85 नेत्र रोगियों का

पब्लिक स्कूल ओसाह में प्रबन्धक संजय परीक्षण कर 15 नेत्रों को

सोमवार, 15 दिसंबर 2025



जिस प्रकार शरीर में दृष्टि है, उसी प्रकार आत्मा में तर्क है।
अरस्तु, दर्शनिक

चौधरी का चयन

उत्तर प्रदेश भाजपा की कमान पंकज चौधरी को सौंपा जाना एक संगठनात्मक नियुक्ति मात्र नहीं, बल्कि आने वाले पंचायत और विधानसभा चुनावों की दृष्टि से एक सुविचारित राजनीतिक-रणनीति का संकेत है। ऐसे समय में जब 2024 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को अपेक्षा के अनुरूप सफलता नहीं मिली, संगठन के शीर्ष पर यह बदलाव कई स्तरों पर संदेश देता है। सबसे पहले, पंकज चौधरी का निर्विरोध प्रदेश अध्यक्ष चुना जाना यह दशाता है कि भाजपा नेतृत्व फिलहाल किसी गुटीय संघर्ष से बचना चाहता है, हालांकि इसे संगठन के पूरी तरह गुटावों-शून्य होने का प्रमाण मानना अवश्योक होता है।

उत्तर प्रदेश जैविक विशाल और विविध राज्य स्वाभाविक रूप से आंतरिक समीकरणों से भरा रहता है, पर निर्विरोध चयन यह दिखाता है कि शीर्ष नेतृत्व ने संतुलन साथते हुए सर्वामाय चेहरे पर सहमति बनाई है। मुख्यमंत्री पहले ही पूर्वानुल से हैं और उन्होंने अप्रदेश अध्यक्ष भी उसी क्षेत्र से चुना क्षेत्रीय वर्चस्व की बहस को जन्म देता है। प्रश्न यह है कि क्या इससे राजनीतिक असंतुलन पैदा होगा? वस्तुतः भाजपा का संगठनात्मक ढांचा केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि जातीय और सामाजिक संतुलन पर भी आधारित रहता है। पूर्वांचल को अध्यक्ष पद देना दरअसल उस क्षेत्र में पार्टी की पकड़ को और मजबूत करने की कोशिश है, जहाँ 2024 में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ। पंकज चौधरी के चयन के पीछे कुर्मी समुदाय का समीकरण भी स्पष्ट दिखता है। उत्तर प्रदेश में कुर्मी मतदाता लगभग 8 प्रतिशत माने जाते हैं, जो कई सीटों पर नियांकित भूमिका में रहते हैं। समाजवादी पार्टी लंबे समय से पिछड़ा-अल्पसंख्यक (पीडीए) समीकरण के जरिए इन्हें साधनों की कोशिश कर रही है। ऐसे में कुर्मी समुदाय से प्रदेश अध्यक्ष बनाकर भाजपा ने स्पष्ट संकेत दिया है कि वह पिछड़े वर्गों में अपनी पैठ और गहरी करना चाहती है। यह राजनीति समा के सामाजिक गठजोड़ की काट के रूप में देखी जा सकती है। इससे पहले भी कुर्मी समुदाय से भाजपा अध्यक्ष रह चुके हैं।

पंकज चौधरी का राजनीतिक सफर पार्श्व से लेकर विधायक और सांसद तक का रहा है। उन्होंने जीत और हार-दोनों का स्वाद दिया है। यही अनुभव उन्हें जीमीन से जुड़ा नेता बनाता है। संगठन और प्रशासन, दोनों का अनुभव होने से सरकार और पार्टी के बीच बेहतर समन्वय की उम्मीद करना जो सकती है। संघ नेतृत्व से उनके अच्छे संबंध योगी सरकार को भी संगठनात्मक मजबूती दिया, हालांकि नए प्रदेश अध्यक्ष के समक्ष चुनावीय भी कम नहीं हैं, पंचायत चुनावों में जीमीनी संगठन को सक्रिय करना, जातीय संतुलन बनाए रखना, आंतरिक असंतोषों को नियंत्रण करना और विषय के पीडीए नैटवर्क का प्रभावी जवाब देना। यदि पंकज चौधरी इन मोर्चों पर संरुचित और समावेशी नेतृत्व दिखा पाते हैं, तो उनके नेतृत्व में प्रदेश भाजपा के संगठनात्मक विकास और चुनावी सफलता की कामगारी असंगत नहीं होगी। अंततः यह नियुक्ति भाजपा की उस दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा है, जिसमें सामाजिक विस्तार और संगठनात्मक मजबूती को साथ-साथ साधने की कोशिश साफ नजर आती है।

प्रसंगवथा

टीईटी की अनिवार्यता के साथ बदलाव जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2025 के फैसले में फिर स्पष्ट कर दिया था कि शिक्षक प्राप्ता परीक्षा (टीईटी) अनिवार्य है। इसके बावजूद नौ दिसंबर 2025 को राज्यसभा में इस मुद्रे को जोरदार तरीके से उठाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की छूट भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ने वाला है। टीईटी को आरटीई एक्ट-2009 के तहत कक्षा एक से आठ तक के शिक्षकों के लिए अनिवार्य बनाया गया था, तबक्क बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा का अधिकार मिल, लेकिन पिछले दस साल से देश के लाखों शिक्षक, खासकर 2010-2015 के बीच नियुक्त हुए, जो इस परीक्षे के कारण नौकरी, प्रमोशन और मानसिक शांति खोने की कगार पर हैं। सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर 2025 के फैसले में फिर स्पष्ट कर दिया था कि टीईटी अनिवार्य है। इसके बावजूद नौ दिसंबर 2025 को राज्यसभा में इस मुद्रे को जोरदार तरीके से उठाया गया। शिक्षा के क्षेत्र में इस तरह की छूट भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ने वाला है।

सबसे बड़ा फायदा शिक्षकों को होगा। लाखों शिक्षक, जिनमें अधिकांश 45-55 साल के हैं, एक लिखित परीक्षा के द्वारा से मुक्त हो जाएंगे। ग्रामीण इलाकों में ज़मीन पहले से शिक्षकों की कमी है, यह कमी पूरी होगी। शिक्षकों में प्रमोशन रुकने का डर खत्म होगा, वेतन विसंगतियां दूर होंगी और शिक्षक

संगठनों का आंदोलन शांत हो जाएगा। कई ग्रामीणों में भर्ती प्रक्रियाएं भी तेज होंगी, क्योंकि बीपड़ करने वाले बिना टीईटी दिए नौकरी पाने के लिए विकसित होंगे। वर्तमान टीईटी का व्यवस्था परीक्षा के लिए काम करने को बढ़ावा दिया जाएगा।

यह परीक्षा आज भी 10-12 साल पुराने सिलेंबस और रेटंट-आधारित प्रणालों पर टिकी है, जबकि कक्षा में बच्चे डिजिटल टूल्स, प्रोजेक्ट-वेस्ट लैनिंग और भावनात्मक बुद्धिमत्ता की अपेक्षा करते हैं। कई अनुभवी शिक्षक जो रोज़ा कक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, वे लिखित परीक्षा में असफल हो रहे हैं, क्योंकि उनका कौशल असंतोष का उत्तरण हो रहा है।

दूनिया के कई विकासित देशों ने शिक्षक प्रमाणीकरण को लंचाला और बह-आयामी बन दिया है। अमेरिका में नेशनल बोर्ड संस्टार्टीफोर्म द्वारा देशीय मूल्यांकन और सिंगापुर में परामार्श वेस्ट असेमेंट जैसे मॉडल सफलतापूर्वक चल रहे हैं।

भारत में भी निष्ठा, दीक्षा और एनसीईआरटी के मौजूदा ढांचे का उपयोग कर एक हाइब्रिड प्रमाणीकरण प्रणाली बनाई जा सकती है, जिसमें लिखित परीक्षा का वेटेज सिर्फ 30-40 प्रतिशत हो और बाकी कक्षा-प्रदर्शन, सहकर्मी समीक्षा तथा छात्र फीडबैक पर आधारित हो, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में भी सुधार होगा और शिक्षकों के साथ भी न्याय होगा।

दूसरी तरफ शिक्षा की गुणवत्ता पर गहरा सवाल खड़ा होता है। टीईटी का मकसद सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि बाल मनोविज्ञान, शिक्षण शास्त्र और विषय की बुनियादी समझ जांचना था। यदि अनुभव के नाम पर इसे पूरी तरह हटा दिया गया तो 15-20 साल पुराने डिग्री प्रशिक्षण आज भी प्राप्ति कर सकती है? खासकर तब जब एनसीई-2020 ने निरंतर प्रशिक्षण और मूल्यांकन पर जोर दे रही है। एक तरफ हम विकसित शिक्षा नीति एवं विकासित भारत का सपना देख रहे हैं, दूसरी तरफ समय के साथ गुणवत्तापूर्व व्यूनतम मानक को ही ढीला करने को तैयार हैं।

सोचें वाली बात यह है कि समस्या टीईटी से नहीं, बल्कि उसके कठोर एवं एकमात्र मानदंड के रूप में प्रयोग में है। इसका समाधान लिखित टेटे में छूट नहीं, बल्कि अनुभवी शिक्षकों के लिए एक अलग

युद्ध के नए फ्रंट पर टिकी निगाह



नवीन गुप्ता

बरेली



अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की सेना के सुर दोनों देशों के प्रति बदल गए हैं और चीन के लंकर त्रिपुरा वर्ष में छिड़े युद्ध का अमेरिका ने समाधान करा दिया था, लेकिन अब दोनों देश फिर आमने-सामने आ गए हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्तरांदेश के लोगों को देखते होंगे।

एक फ्रंट से आई युद्धी की खबर तो राहत देने वाली है, लेकिन पड़ोस में बदलाव करने के साथ ही जियो पालिटिक्स में बदलाव हो रहा है। युक्ते दोनों देशों के लोगों को खबर तो जाना चाहिए। यह अप्रत्याशित रूप से आमने-सामने आ गए हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्तरांदेश के लोगों को देखते होंगे।

यह अप्रत्याशित रूप से आमने-सामने आ गए हैं। यह अप्रत्याशित रूप से आमने-सामने आ गए हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्तरांदेश के लोगों को देखते होंगे।

यह अप्रत्याशित रूप से आमने-सामने आ गए हैं। यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्तरांदेश के लोगों को देखते होंगे।

यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्तरांदेश के लोगों को देखते होंगे।

यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्तरांदेश के लोगों को देखते होंगे।

यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्तरांदेश के लोगों को देखते होंगे।

यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्तरांदेश के लोगों को देखते होंगे।

यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्तरांदेश के लोगों को देखते होंगे।

यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्तरांदेश के लोगों को देखते होंगे।

यह स्थिति ठीक नहीं है। युद्ध की स्थिति में भारतीय उत्तरांदेश के लोगों को देखते होंगे।

यह स्थिति ठीक

ब

रेली में थार प्रेमियों ने शहर में एक अनोखा कलब 'थारिएंस वलब बरेली' बनाया है। यह कलब न केवल थार मालिकों को एक मंच देता है, बल्कि शहर में सामाजिक सरोकारों के लिए अपनी पहचान भी बना रहा है। कलब में फिलहाल 30 सक्रिय थार संचालक सदस्य जुड़े हुए हैं। इनमें (डाक्टर, सीए और उद्यमी) शामिल हैं।

-महिपाल गंगवार, बरेली



थारिएंस क्लब ने महिलाएं भी है खूब सक्रिय

वलब के सचिव सुशोध भागद्वाज बताते हैं कि क्लब में कई महिलाएं सदस्य भी सक्रिय हैं, जो थार खुद चालती हैं और ऑफ-रोडिंग इवेंट्स में अपना हुनर दिखाती हैं। इससे कलब का दायरा सिर्फ पुरुषों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह परियारों के लिए एक सकारात्मक और सुरक्षित मंच बन गया है। वह बताते हैं कि थारिएंस क्लब के सदस्यों का मानना है कि थार ने उन्हें एक नए समुदाय से जोड़ा है। फैले वे सिर्फ गाड़ी तक सीमित थे, लेकिन वलब से जुड़े के बाद उन्हें समाजसेवा, नई जानें देखने और समाज विचारारावाले लोगों से मिलने का मौका मिला।



थार के शौक को सिर्फ धूमने-फिरने तक सीमित न रखें।

थार वलब के संस्थापक अध्यक्ष राजीव युराना बताते हैं कि यह वलब केवल शौक के लिए नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मक सदस्य बनें के लिए बनाया गया है। उनके अनुसार हम चाहते थे कि थार के शौक को सिर्फ धूमने-फिरने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसे एक जिम्मेदारी से भी जोड़ा जाए। थारिएंस क्लब उत्तराखण्ड में नदी वाले झाणों पर राइफिंग के साथ हर 15 अगस्त को निरंगा यात्रा निकलने की तैयारी चलाता है, जिसमें सभी 30 थार और कानूनिकलती हैं।

इसलिए बढ़ी थार की लोकप्रियता

थार की लोकप्रियता के पीछे इसके मजबूती और विशेषताएं सबसे बड़ा कारण हैं। मूसाराम इंटरप्राइजेज के प्रबंध निदेशक दिनेश अग्रवाल बताते हैं कि थार में वह सब कुछ है, जो भारतीय सड़क और कठिन रास्तों के लिए जरूरी है। इसके पेटोल और डीजल इंजन न केवल दम्भार पावर देते हैं, बल्कि हर तरह के रास्ते पर कमाल का प्रफॉर्मेंस दिखाते हैं। थार को खास इसलिए माना जाता है, क्योंकि यह सिर्फ शहर की गाड़ी नहीं है, बल्कि पहाड़, रेगिस्तान, कीचड़-हर जगह अपनी पकड़ बनाए रखती है। यही नई थार का ग्राउंड ग्लीयरेस, चार बार्ड चार ड्राइव, वॉटर वेडिंग क्षमता और टॉर्क इसे अपनी श्रीमी की अन्य एस्प्रूटी से अग्र रखते हैं। इसलिए थार सिर्फ युवा ही नहीं, परियारों में भी पसंद की जा रही है।



बरेलीयंस का नया ट्रॉफी

बरेली शहर में अब तक 450 से अधिक बिक चुकी हैं थार

स्थानीय डीलरों के अनुसार बरेली में महिंद्रा थार की ऑन-रोड कीमतें वेरिएंस के हिसाब से 21 लाख रुपये तक जाती हैं, जबकि टॉप मॉडल की कीमत 22 लाख रुपये के करीब पड़ती है। शहर में थार के लान्च होने के बाद से अब तक लगभग 450 से अधिक थार विक चुकी हैं, जो युआओं की पसंद का मजबूत सकेत देती हैं। मजेदार बात यह भी है कि थार खरीदने वाले कई युवा पहले से एस्यूवी चला रहे थे, लेकिन जब से थार गाड़ी लांच हुई तो इसे सिर्फ गाड़ी नहीं, बल्कि लाइफस्टाइल मान रहे हैं। खासकर वीकेंड पर यह गाड़ी बरेली के आसपास के हिल स्पॉट्स या नदी किनारे ऑफ-रोडिंग के लिए खूब दिखाई देती है। शहर में शादी-ब्याह के अवसर हों या किसी दोस्त की बर्थडे पार्टी, थार का प्रवेश ही माहोल को अलग बना देता है।



मॉय फर्स्ट राइड

हॉर्न, ब्रेक और हौसलों के बीच मेरा सफर

मैंने जब पहली बार कार चलाना सीखने का निर्णय लिया, तो मन में उत्साह के साथ-साथ डर भी था। बचपन से ही कार चलाते हुए लोगों को देखकर लगता था कि यह कोई बहुत कठिन काम है, जो शायद मेरे बस का नहीं। भर में अस्कर यही सुनने को मिलता था—“तुम्हें नहीं होगा”, “यह काम पुरुषों का है” या “ऑटो-रिक्षा और टैक्सी ही ठीक हैं।” लेकिन कहाँ न कहीं मन में यह इच्छा थी कि मैं भी आमने-सफर में और जिम्मेदारी पर निर्भर हुए खुद गाड़ी चला सकूँ।

यह इच्छा मैंने डरते-डरते अपने पति को बताई, तो उन्होंने दो मिनट सोचकर कहा ठीक है, कल सुहादा के लिए चला जाए। और अपने दो ट्रेन जब घर पहले दिन जब मैं ड्राइविंग स्कूल पहुंची, तो दिल तेज-तेज थड़क रहा था। इंस्ट्रक्टर ने जब कार की सीट पर बैठने को कहा, तो हाथ-पैर जैसे सुन हो गए। स्ट्रेयरिंग पकड़ते ही लगा कि मैं किसी बड़ी जिम्मेदारी को थाम रही हूँ। कलन, ब्रेक और एस्मीनेटर तीनों को समझना अपने-आप में एक चुनौती था। शुरूआत में कार बार-बार बंद हो जाती थी और पीछे से हॉर्न की आवाजें आत्मविश्वास को ओर डगमगा देती थीं।

सबसे मुश्किल था सड़क पर निकलना। कार के लिए चलाना सीखना का डर। सामने से आती गाड़ियां, अचानक मोंद लेते वाहन और पैदल चलते लोग सब कुछ मुझे घबराहट में डाल देता था। कई बार लगा कि यह सायद मैं यह सीख ही नहीं पाऊँगा। एक दिन तो गलती से ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दब दिया और इंस्ट्रक्टर को तुरंत कंट्रोल संभालना पड़ा। उस दिन घर आकर मैंने खुद से कहा—“बस, अब नहीं है।” पर अब लगा कि यह सीख भी नहीं पाऊँगा।

कार सीखने का सबसे बड़ा सबक यह था कि सड़क पर धैर्य



सबसे जरूरी है। जल्दीबाजी या घबराहट दोनों ही नुकसानदेह हैं। मैंने सीखा कि दूसरों की गलती पर भी संयम बनाए रखना जरूरी है। कई बार पूर्ण ड्राइवर ताने मारते या मजाक उड़ाते, लेकिन मैंने खुद को कमज़ोर नहीं पड़ने दिया। धीरे-धीरे मैं समझने लगी कि आत्मविश्वास ही सबसे बड़ा हथियार है। जिस दिन मैंने ड्राइविंग लाइसेंस टेस्ट पास किया, उस दिन मेरी आंखों में खुशी के आंसू थे। यह सिर्फ एक लाइसेंस नहीं था, बल्कि मेरी आजादी की चाची थी। अब मैं बच्चों को स्कूल छोड़ने के लिए किसी पर निर्भर नहीं थी। परिवार वालों का नजरिया भी बदल गया। वही लोग, जो पहले मन करते थे, अब गर्व से कहते हैं—“हमारी बेटी बहुत अच्छी ड्राइवर है।”

-डॉ. आरती मोहन
कानपुर

सर्दियों में टायर प्रेशर का रखें ध्यान

यदि आप दोपहिया या कार के मालिक हैं और आपको महसूस हो रहा है कि कड़ाके की इस सर्दी में आपकी गाड़ी के टायरों की हवा कुछ कम हो गई है, तो घबराने की कोई जरूरत नहीं है। ऐसा होना तापमान में गिरावट के कारण बिल्कुल सामान्य प्रक्रिया है। ठंड के मौसम में टायर सिकुड़ने लगते हैं, जिसके कारण उनके भीतर का टायर प्रेशर घट सकता है, लेकिन टायर प्रेशर को नजरअंदाज करना सही नहीं है, क्योंकि इसका सीधा प्रभाव कार या दोपहिया वाहन के संतुलन, सुरक्षा और माइलेज पर पड़ता है। सर्दियों में गाड़ी के टायर का प्रेशर कम न हो, इसके पीछे के सामान्य कारणों और उनसे बचने के आसान उपायों की जानकारी होना बेहद जरूरी है।

टायर प्रेशर घटने का वैज्ञानिक कारण

सदी बढ़ने पर टायर अचानक लीक नहीं होने लगते, बल्कि इसके पीछे वैज्ञानिक कारण होता है। कम तापमान में हवा के कणों की गति धीमी हो जाती है और वे कम स्थान धेरते हैं। इसी वजह से जैसे-जैसे तापमान घटता है, टायर के अंदर का प्रेशर भी कम होने लगता है। माना जाता है कि हर 10 डिग्री डिस्ट्रिंग्युल तापमान गिरने पर टायर का प्रेशर लगभग 1 प्रीएसराई (पांड त्रिंगल वर्ग इंच) तक घट सकता है।

टायर की रबर का सर्वत होना

सर्दियों में टायर की रबर सामान्य से थोड़ा सख्त हो जाती है। इससे टायर की हवा कम नहीं होती, जिससे रबर की लचक घटने से सील वाले हिस्से उत्तर प्रभावी नहीं रह जाते। यदि टायर में घबराने से कहीं बामूली सी लीकेज मौजूद हैं, तो सर्दियों में हवा का प्रेशर गिरना ज्यादा स्पष्ट रूप से महसूस होने लगता है।



सुरक्षा के लिए उपाय

- नियमित जांच रखें, सुरक्षा बढ़ावा-ड्राइविंग नहीं, बल्कि आत्मनिर्भरता का अनुभव है। कार सीखने में लिए एक कौशल ही नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, साहस और खुद पर भरोसा करने की सीख भी था। हर महिला को यह अनुभव जरूर लेना चाहिए, क्योंकि जब हम डर को पीछे छोड़कर आगे बढ़ते हैं, तभी हमें अपनी असली ताकत का एहसास होता है।
- सही टायर प्रेशर रखें - टायर में हमेशा वही हवा भरवानी चाहिए, जो वाहन नियमित कंपनी के मानक है। इसके जानकारी आमतौर पर गाड़ी के ऑन-

मैनुअल में या ड्राइवर साइड के दरवाजे के अंदर लगे स्टिकर पर आसानी से मिल जाती है।
■ ट्रेम्परेचर में बदलाव पर नजर रखें - मौसम में होने वाले तापमान के उत्तर-चाहवा का टायर प्रेशर पर सीधा प्रभाव पड़ता है। इसलिए मौसम के बदलाव और आवश्यकत

